

# পাট ও সমবর্গীয় তন্তু ফসল চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, নীলগঞ্জ, ব্যারাকপুর

২৫ মার্চ - ৮ এপ্রিল, ২০২২ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ০৬/২০২২)



ভা.কৃ.অ.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান  
**ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers**

*An ISO 9001: 2015 Certified Institute*

Barrackpore, Kolkata-700120, West Bengal

[www.icar.crijaf.gov.in](http://www.icar.crijaf.gov.in)



पाट ओ सहयोगी फसल उतुपादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श  
२५ मार्च - ८ अप्रिल, २०२२

I. पाट उतुपादनकारी राज्यातुलर एह समयेर सतुभाव्य आबहाओयार परिस्थिति

राज्या/ कृषि-जलवायु अतुणल/ जेला	आबहाओयार तुरुभावस
गाङ्गेय पश्चिमबङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हुगली, हाओडा, उतुतर २४ परगना, तुरुव बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, दक्षिण २४ परगना, बाँकुडा, वीरतुम	आगामी २५-२८ मार्च वृष्टि र सतुभावना नेह। सर्वोच्च तापमात्रा ३५-३८ डिग्री एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२५ डिग्री सेन्टिग्रेडे र मतुओ थकवे।
हिमालय सन्निहित पश्चिमबङ्ग दार्जिलिग, कोचबिहार, आलिपुरदुयार, जलपाइगुडि, उतुतर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा	आगामी २५-२८ मार्च वृष्टि र सतुभावना नेह। एह अतुणले सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३३ डिग्री एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १९-२० डिग्री सेन्टिग्रेडे र मतुओ थकवे।
आसामः मध्य ब्रह्मपुत्र उतुपतुका त्फेत्र मरिगाँओ, नओगाँओ	आगामी २५-२८ मार्च बङ्गविदुतुसह वृष्टि र सतुभावना (मूओट वृष्टि र परिमान १० मिलिमिटारे र मतुओ)। सर्वोच्च तापमात्रा ३०-३२ डिग्री एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १८-१९ डिग्री सेन्टिग्रेडे र मतुओ थकवे।
आसामः निम्न ब्रह्मपुत्र उतुपतुका त्फेत्र गोयालपाडा, धुबडि, कोकडाबाड, बङ्गाइगाँओ, वरपेटा, नलबाडि, कामरुप, बाङ्गा, चिराङ्ग	आगामी २५-२८ मार्च बङ्गविदुतुसह हलका वृष्टि र सतुभावना (मूओट वृष्टि र परिमान ३ मिलिमिटारे र मतुओ)। सर्वोच्च तापमात्रा ३०-३२ डिग्री एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १९-१८ डिग्री सेन्टिग्रेडे र मतुओ थकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अतुणल २ (उतुतर-तुरुव अतुणल) तुरुणिया, काटिहार, सहर्ष, सुपूील, माधेपुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगङ्ग	आगामी २५-२८ मार्च वृष्टि र सतुभावना नेह। सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३६ डिग्री एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २०-२२ डिग्री सेन्टिग्रेडे र मतुओ थकवे।
उडिष्याः उतुतर-तुरुव तटीय समतुमि बालेश्वर, तदक, जाजपुर	आगामी २५-२८ मार्च वृष्टि र सतुभावना नेह। सर्वोच्च तापमात्रा ३६-४० डिग्री एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२२ डिग्री सेन्टिग्रेडे र मतुओ थकवे।
उडिष्याः उतुतर-तुरुव ओ दक्षिण-तुरुव समतल अतुणल केन्द्रपाडा, खुर्दा, जगत्सिंहपुर, तुरुवी, नयागड, कटक (आंशिक) एवंग गङ्गाम (आंशिक)	आगामी २५-२८ मार्च वृष्टि र सतुभावना नेह। सर्वोच्च तापमात्रा ३५-३८ डिग्री एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२३ डिग्री सेन्टिग्रेडे र मतुओ थकवे।

तथ्य सूत्रः भारतीय आबहाओया विभाग (<https://mausam.imd.gov.in> एवंग [www.weather.com](http://www.weather.com))

## II. पाट फसलेर जन्य कृषि परामर्श

### १। समय मते लागानो पाट फसलेर जन्य (२५ मार्च थेके १० एप्रिल)

- जमि तैरी सम्पूर्ण करे, ताडाताड़ि पाट बीज लागते हवे। पाटेर भालो फलन ओ उन्नत गुनमानेर तस्तु पाओयार जन्य जे.आर.ओ २०४ (सुरेन) जातेर पाट बीज व्यवहार करते हवे। पाट बीज लागतेर चार घन्टा आगे प्रति किलो बीजेर जन्य २ ग्राम हिसाबे कार्बेन्डाजिम (व्याभिस्टिन) ५० डब्लु.पि दिये बीज शोधन करते हवे। यदि जे.आर.ओ २०४ (सुरेन) जातेर पाट बीज ना पाओया यय, तबे जे.आर.ओ ५२४, इरा, तरुण, एन.जे १०१० जातेर बीज लागतेर येते पारे। कचि अवस्थाय पाट शाक हिसाबे व्यवहारेर जन्य ओ ई जातगुलि लागतेर याबे।
- आई.सि.ए.आर-क्रिजाफ पाट बीज वपन यन्त्र व्यवहार करे सारिते पाट बीज लागते हवे। ई मेशिने पाट बीज वनते विधा प्रति (०.१३३ हेक्टेर) मात्र ३५०-४०० ग्राम पाट बीज लागबे।
- यदि एकातुई पाट बीज सारिते वोनार सीडड्रिल यन्त्र ना पाओया यय, तबे विधा प्रति ४०० ग्राम बीज व्यवहार करे छिटिये वोना याबे; एवंग तार पर जमिर जे अवस्थाय क्राइजाफ नेल उईडार चालिये सारि तैरी ओ आगाछा नियन्त्रण करा याबे। बीज वोनार ५-८ दिन परे ई नेल उईडार चालाले, शिकड़ अषधले (०-१५ सेमि.) शतकरा ५-६ शतांश जल संरक्षण हय, माटि (०-१० सेमि.) १-३ डिग्रि सेन्टिग्रेड ठांवा राखे एवंग फले ३० दिन पर्यन्त पाटेर चारा खरा अवस्था थेके रक्षा पाय।
- जमि तैरीर समय भालोभाबे मई दिते हवे, याते जमिर माटिर उपर धूलोर आसुरण तैरी हय, एते माटिते जल संरक्षण हवे ओ सहजे पाट बीजेर अक्षुरोक्षम हवे।
- मावारी ओ यथेष्ट उर्वर जमिर जन्य, नाइट्रोजेनः फस्फेटः पटाशेर हेक्टेर प्रति सुपारिश मात्रा हल ७०ः३०ः३० किलोग्राम। यदि जमि कम उर्वर हय, तबे ई मात्रा हवे ४०ः४०ः४० किलोग्राम प्रति हेक्टेर। नाइट्रोजेन घटित सार २ वारे चापान हिसाबे प्रयोग करते हवे। तबे फस्फेट ओ पटाश सारेर सुपारिश मात्रार पुरोटाई जमि तैरीर शेखेर दिके माटिते प्रयोग करते हवे। चाखिदेर यदि माटि परीक्षार पर पाओया माटिर स्वास्थ्य कार्ड थाके, तबे सेई कार्डे उल्लेख करा हारे सार प्रयोग करते हवे।
- सेच सेवित पाटेर जमिर आगाछा नियन्त्रणेर जन्य पाट वोनार ४८ घन्टा पर, प्रेटिलक्लोर (५० ईसि) ३ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये माटिते स्प्रे करते हवे। यदि सेचेर सुविधा ना थाके, तबे पाट वोनार ४८ घन्टा परे, बुटाक्लोर (५० ईसि) ४ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- यदि पाट वोनार ५-६ दिन पर खरार मते परिस्थिति हय, तबे छेँटानो पद्धतिते सेच दिते हवे। यदि वृष्टि संभावना थाके, तबे सेच देओयार आगे वृष्टि जन्य अपेक्षा करा येते पारे।



थाप-१ः जमि तैरी एवंग प्राथमिक सार प्रयोग



थाप-२ः बीज लागतेर चार घन्टा आगे प्रति किलो बीजे २ ग्राम कार्बेन्डाजिम दिये बीज शोधन



थाप-३ः क्राइजाफ पाट बीज वपन यन्त्र दिये सारिते शोधित पाट बीज लागतेर।



थाप-४ः सेच सुविधा युक्त जमिते आगाछा नियन्त्रणेर जन्य प्रेटिलक्लोर ३ मिलि/ प्रति लिटर जले मिशिये प्रयोग। सेच हीन जमिते आगाछा नियन्त्रणेर जन्य बिउटाक्लोर ४ मिलि/ प्रति लिटारे दिये प्रयोग।



थाप-५ः पाट लागतेर ४-६ दिन परे क्राइजाफ नेल उईडार चालाने।

### III. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसলের कृषि परामर्श क) सिसाल

**भूमिका:** सिसाल (एगोभ सिसालाना) प्राय-बहुवर्षजीवी पाता থেকে तन्त्र উৎপাদনকারী মরুজাতীয় উদ্ভিদ। সিসালের তন্ত্র থেকে তৈরী দড়ি বিভিন্ন ধরনের জলযান (জাহাজ, লঞ্চ, বড় নৌকা ইত্যাদি) বাঁধার কাজে ব্যবহৃত হয়। ব্রাজিল সিসাল তন্ত্র উৎপাদনে ও রপ্তানিতে প্রথম স্থান অধিকার করে, আর চীন সব থেকে বেশি সিসাল আমদানি করে। ভারতের উড়িষ্যা, তেলেঙ্গানা, কর্ণাটক, মহারাষ্ট্র ও পশ্চিমবঙ্গের মরুপ্রায় অঞ্চলে সিসাল চাষ হয়ে থাকে। ভারতে সিসালের মোট জমির পরিমাণ প্রায় ৭৭৭০ হেক্টর, যার মধ্যে ৪৮১৬ হেক্টর সিসাল, মাটি ও জল সংরক্ষণের জন্য ব্যবহৃত হয়। ভারতে সিসালের হেক্টর প্রতি গড় উৎপাদন অনেকটাই কম (৬০০-৮০০ কেজি), তবে সঠিক পদ্ধতি অনুসরণ করে চাষ করতে পারলে হেক্টর প্রতি উৎপাদন অনেকটাই বাড়ানো সম্ভব (২০০০-২৫০০ কেজি)। এই ফসলে জলের প্রয়োজন অনেক কম এবং মধ্যভারতের মালভূমি অঞ্চলের মাটি ও আবহাওয়া (সর্বোচ্চ তাপমাত্রা ৪০-৪৫ ডিগ্রি, বৃষ্টিপাত ৬০-১০০ সেমি) সিসালের জন্য উপযোগী, ও গ্রামীন অঞ্চলের আর্থিক ও সামাজিক উন্নয়নে বিশেষ সহায়ক হতে পারে। সিসাল চাষ এই অঞ্চলের উপজাতি মানুষদের জীবিকা সরাসরি ও কর্মসংস্থানের মাধ্যমে উন্নয়ন করতে পারে। এছাড়াও সিসাল বৃষ্টির জলের বয়ে যাওয়া অপচয় ৩৫ শতাংশ ও ভূমিক্ষয় ৬২ শতাংশ কম করতে সক্ষম।

#### মাধ্যমিক নার্সারির পরিচর্যা

- নার্সারির জল নিকাশি ব্যবস্থা করবেন ও নার্সারি আগাছা মুক্ত রাখবেন। সুস্থ্য সাকার পাবার জন্য মেটালাক্সিল ২৫ শতাংশ এবং ম্যানকোজেব ৭২ শতাংশ মিশ্রণ ০.২৫ শতাংশ হারে স্প্রে করে অন্তরবর্তী পরিচর্যা করতে হবে। উদ্ভিদ খাদ্যোপাদান যোগান ও আগাছা দমনের জন্য সিসাল কম্পোস্ট ব্যবহার করা যেতে পারে। যে সব চাষীদের মাধ্যমিক নার্সারি তৈরী বাকি আছে, তারা প্রাথমিক নার্সারিতে বড় করা বুলবিল, মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫০-২৫ সেমি দূরত্বে লাগাবেন। বুলবিল লাগানোর আগে পুরানো পাতা ও শিকড় কেটে বাদ দিয়ে ২০ মিনিট ম্যানকোজেব (৬৪ শতাংশ) ও মেটালাক্সিল (৮ শতাংশ) মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। এক হেক্টর নার্সারিতে ৮০,০০০ সাকার লাগানো যায় তবে শেষ পর্যন্ত ৭২,০০০-৭৬,০০০ সাকার বাঁচে। ধরে নেওয়া হয় যে মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫-১০ শতাংশ চারা মরতে পারে।

#### সিসালের মূল জমি থেকে সাকার সংগ্রহ

- প্রাথমিক ও মাধ্যমিক নার্সারির মাধ্যমে বুলবিল থেকে সাকার তৈরীর পাশাপাশি, আগে থেকে লাগানো সিসালের মূল পুরানো জমি থেকে সাকার সংগ্রহ করা যাবে। সাধারণত একটি সিসাল গাছ থেকে বছরে ২-৩ টি সাকার পাওয়া যায়। বর্ষার শুরুতে এইসব উপযুক্ত সাকার তুলে - সরাসরি নতুন মূল জমিতে লাগানো যাবে। সাকার লাগানোর আগে পুরানো শিকড় ছেঁটে ফেলতে হবে ও শুকিয়ে যাওয়া পাতা ফেলে দিতে হবে। তবে খেয়াল রাখতে হবে যে শিকড় ছেঁটে ফেলার সময়, সাকারের গোড়ার অঞ্চল যেন ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।

#### নতুন সিসাল খেতের পরিচর্যা

- এক-দুই বছর বয়সের সিসাল ক্ষেতে আগাছা নিয়ন্ত্রণের ব্যবস্থা করতে হবে, যাতে সিসালের জল ও খাদ্যের জন্য আগাছার সঙ্গে প্রতিযোগিতা কমে যায়। জেরা রোগের প্রাথমিক লক্ষণ দেখা গেলে - কপার অক্সিক্লোরাইড ৩ গ্রাম প্রতি লিটারে বা ম্যানকোজেব ৬৪ শতাংশ ও মেটালাক্সিল ৮ শতাংশ মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। সঠিক বৃদ্ধি ও ফলনের জন্য হেক্টর প্রতি ২ টন সিসাল কম্পোস্ট এবং ৬০ঃ৩০ঃ৬০ কিলো এন.পি.কে. সার প্রয়োগ করতে হবে। প্রথম বছর, সিসাল গাছের চারধারে গোল করে সামান্য গর্ত করে সার প্রয়োগ করতে হবে।



পিট তৈরী ও জোড়সারি পদ্ধতিতে সাকার লাগানো



মাধ্যমিক নার্সারিতে অন্তরবর্তী পরিচর্যা



সিসাল তন্ত্র ছাড়ানো ও ধোওয়া



সিসাল তন্ত্র রোদে শুকানো

### मूल जमिने सिसाल लागानो

- पुरानो मूलजमिर सिसाल थेके सरासरी तोला सिसाल साकार ओ माध्यमिक नार्सारी थेके पाओया सिसाल साकार व्यवहार करे सिसालेर नतून मूल जमिने चारा लागते पारले भालो हय। माध्यमिक नार्सारीते वड करी साकार, पुरानो पाता ओ शिकड़ छेँटे मूल जमिने लागते हवे। लागानोर आगे म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालाजिल ८ शतांश - २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये २० मिनटेर जन्तु साकारेर शिकड़ अखल धुये निते हवे। साकार पिटेर गर्तेर मावखाने सूचालो कार्ठर साहाय्य निये लागते हवे।
- साकारेर आकार (साइज) ७० सेमि लम्बा, २५० ग्राम ओजन ओ ५७ टि पाता विशिष्ट हते हवे। ये सब साकारे रोग-पोकार वा अन्य कोनो प्रकार चापेर (खादियेर वा जलेर अभाव युक्त) लक्षण आछे, सेगुलि बाद दिते हवे।
- सिसाल गाछेर द्रुत वृद्धि जन्तु हेक्टेर प्रति ५ टन सिसाल कम्पोस्ट, ७० केजि नाइट्रोजेन, ७० केजि फसफेट, ७० केजि पाटाश दिते हवे। नाइट्रोजेन सार २ वारे दिते हवे - मोट परिमानेर अर्धेक वर्षा शुरुआत आगे, आर बाकि अर्धेक वर्षा चले यावार पर।
- ये सब चाषिरी एखनो जमि निर्वाचन करेननि, तादर जल ना दौंय एमन जमि निर्वाचन करते हवे याते कमपक्के १५ सेमि गभीर माटि थाकते हवे। टालू जमिने सिसाल चाषेर फ्लेक्से, पुरो जमि चाष देवार दरकार नेई।
- आगाछा, बोपवाड परिष्कार करे १ घन फुटेर पिट ३.५ मिटार — १ मिटार-१ मिटार दूरे दूरे वानाते हवे, एते ४,५०० टि पिट हवे येखाने वर्षार शुरुआते दूई सारी (डबल रो) पद्धतिते सिसाल लागते हवे। तवे प्रतिकूलपरिस्थितिते ३.० मिटार — १ मिटार-१ मिटार दूरे दूरे पिट करे, प्रति हेक्टेरे ५,००० टि साकार लागानो यावे।
- सिसालेर जन्तु तैरी करी पिट, माटि ओ सिसाल कम्पोस्ट दिये भरति करते हवे, याते माटि बुरबुरे थाके। अन्न माटि जमिने हेक्टेर प्रति २.५ टन हारे चून प्रयोग करते हवे। पिटेर गर्तेर मध्ये एमन भावे माटि पूर्ण करते हवे याते १-२ इंचि डूँ हये थाके, एते सिसाल साकार सहजे दौंड़ाते पारवे।
- माटि रक्ष्य रोध करते, सिसाल साकार जमि स्वाभाविक चालेर आड्याडि ओ समोमति रेखा वरावर लागते हवे। साकार संग्रह ४५ दिनेर मध्ये जमिने साकार लागानो सम्पूर्ण करते हवे। लागानोर परे हेक्टेर प्रति कमपक्के १०० टि अतिरिक्त साकार आलादा करे राखते हवे, याते प्रयोजने कोनो कारणे खालि यये याओया जायगय आवार सिसाल चारा लागिजे जमिने सिसाल चारार आदर्श संख्या वजाय राखा याय।
- पुरानो मूलजमिर सिसाल थेके सरासरी तोला सिसाल साकारेर परिवर्ते, माध्यमिक नार्सारी थेके पाओया सिसाल साकार व्यवहार करे सिसालेर नतून मूल जमिने चारा लागते पारले भालो हय।

**सिसाल पाता काटा** - क्रमशः वातासेर तापमात्रा बेडे याछे, ताई देरी ना करे अविलम्बे सिसाल पाता काटा शेष करते हवे, ता ना हले सिसाल तन्तु उंपादन कमे यावे। विकेलेर दिके सिसाल पाता काटते हवे एवं चेष्टा करते हवे याते एकई दिने पाता थेके आँश छाड़ानो हये याय। पाता काटार परे, रोगेर हात थेके सिसाल बाँचाते, कपार अक्लिक्लोरिड २-३ ग्राम/प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।

### अतिरिक्त आयेर जन्तु सिसालेर सङ्गे अन्तर्वर्ती फसलेर चाष

- दूई सारी सिसालेर मावखानेर जमिने अन्तर्वर्ती वागिचा फसल हिसावे सबेदा, पेयारा ओ काजुवादाम चाष करे अतिरिक्त आय हते पारे। एई सब वादिचा फसले जीवनादी सेच दिते हवे एवं रोग-पोका थेके सुरक्षार जन्तु व्यवस्था करते हवे।



सिसालेर जमिने अन्तर्वर्ती फसल (१) पेयारा, (२) सबेदा, (३) काजुवादाम

## सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

खरा प्रबन आदिवासी अधुषित अषधले सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था लाडजनकभावे करा येते पारे। एते चाषिर आय वाडवे, कर्मसंस्थान हवे ओ दीर्घमेयादि कृषि व्यवस्था पाओया यावे। एही व्यवस्थाय स्थानीय भावे पाओया विभिन्न धरनेर उँसके काजे लागिणे ओ फसलेर अवशिष्टांश व्यवहार करे - यथेष्ठ आयेर संस्थान हवे। एही सिसाल भित्तिक खामार व्यवस्थाय फसलेर पाशापाशि विभिन्न प्राणी पालनेर व्यवस्था रेखे एही सुसंहत खामार व्यवस्था अर्थनैतिक भावे सफल ओ सार्थक भावे रूपायित हते पारे।

- १। एही खामारे १०० टि विभिन्न जातेर मुरगि येमन - बनराजा, रेड रुस्टार, कडकनाथ पालन करे ८,०००-१०,००० टाका निट लाड हते पारे।
- २। चाषिरा एही खामार व्यवस्थाय दुँटि गरू पालन करे प्रति बहर २५,००० टाका अतिरिक्त लाड करते पारेन। सिसाले सडे अश्वरवती फसल हिसावे गोखाद्य चाष, एही गरूर खाओयार जन्य योगान देओया यावे।
- ३। एही व्यवस्थाय १० टि हागल पालन करे प्रति बहर आरो १२,०००-१५,००० टाका अति रिक्त आय हते पारे।
- ४। सिसाले सडे दुँ सारिर माखाने ये उँचू जमिर धान (कादा ना करे शुधु चाष दिये) फलानो हवे, तार खड व्यवहार करे माशरुम चाषेर माध्यमे बहरे १२,००० टाका लाड हते पारे।
- ५। सिसाल चाषेर बर्ज ओ माशरुम तैरीर बर्ज व्यवहार करे भार्मिकम्पाष्ठ तैरी करे व्यवहार करा यावे, एते माटिर स्वास्थ भालो थाकवे ओ बहरे १८,००० टाका अतिरिक्त लाड हवे।
- ६। सिसाल साधारनत टालु ओ उँचू जमिने लागानो हय - ताँ एही अवस्थाय वृष्टिर जल धरे लाडजनकभावे व्यवहार करा यावे। येहेतु एही अषधले एमनितेई अपेष्काकृत कम वृष्टि हय, ताँ वृष्टिर जल धरार व्यवस्था करे - ए जल दिये अन्यान्य भावेओ आय वृद्धि हते पारे। एक हेक्टेर सिसाले जमिर मात्र एक दशमांश एही जल धरार जन्य व्यवहृत हवे। एही जल धरार पुकुरेर माप हवे ७० मिटार-७० मिटार-१.८ मिटार, आर १.८ मिटार चओडा पाड हवे। एही पुकुरे जल धरे ये ये भावे व्यवहार करे लाडवान हओया यावे ता हलो -
  - सिसाले सडे चाष करा अश्वरवती फसलेर संकटकालीन सेच एही पुकुरेर जल व्यवहार करे देओया यावे। एते एही सब फसलेर उँपदन ओ आय वाडवे।
  - एही जल व्यवहार करे सिसाले आँश हाडानोर परे थोया यावे।
  - पुकुरेर पाडे विभिन्न उँचतार फसल येमन - पेपे, कला, नारकेल, सजने एवं अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति बहर १५,०००-२०,००० टाका आय हते पारे।
  - मिश्र माछ चाष पद्धतिने कातला, रुई, मृगेल चाष करे प्रति बहर १०,०००-१२,००० टाका आय हते पारे।
  - एही जले १०० टि हाँस पालन करे प्रति बहर प्राय ८००० टाका आतिरिक्त आय हते पारे।



उडिष्यार सखलपुर जेलार वामडाय सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

## ख) रेमि



- এই সময় চাষিরা রেমির নতুন খেত শুরু করতে পারেন। পুরানো রেমির জমিতে - অসমান ভাবে বেড়ে ওঠা রেমি কাণ্ডগুলি সমান ভাবে কেটে ফেলতে হবে (স্টেজ ব্যাক), তারপর সার প্রয়োগ ও জলসেচ দিতে হবে।
- হাজারিকা (আর-১৪১১) জাতের ভালো গুণমানের রাইজোম বা কাণ্ড থেকে তৈরী চারা ব্যবহার করে রেমি মূল জমিতে লাগাতে হবে। লাগানোর আগে রাইজোম অন্তর্বাহী ছত্রাকনাশক (যেমন কার্বেন্ডাজিম) দ্বারা শোধন করতে হবে।
- রেমি লাইন বা সারি করে লাগাতে হবে। প্রতি হেক্টর জমির জন্য ৮ কুইন্ট্যাল রেমি রাইজোম লাগবে, এবং কাণ্ড থেকে তৈরী চারা হলে ৫৫-৬০ হাজার টি চারা লাগবে।
- জমির মাটি ৩-৪ বার আড়াআড়ি ভাবে চাষ দিয়ে তৈরী করতে হবে। রেমি যেহেতু একদম জল দাঁড়ানো সহ্য করতে পারে না, তাই রেমির জমিতে অবশ্যই নিকাশি ব্যবস্থা তৈরী করে রাখতে হবে। ৪-৫ সেমি গভীর নালি তৈরী করে তার মধ্যে ৩০ সেমি দূরে দূরে ১০-১৫ সেমি লম্বা রাইজোম বা প্রমান সাইজের কাণ্ড থেকে তৈরী চারা লাগাতে হবে। সাধারণত সারি থেকে সারির দূরত্ব হবে ৭৫-৯০ সেমি। তবে রেমির যথেষ্ট বৃদ্ধির জন্য সারি থেকে সারির দূরত্ব হবে ১ মিটার রাখা যেতে পারে।
- দুই সারি রেমির মাঝখানের জায়গায় স্থানীয় চাষিদের পছন্দ অনুযায়ী অল্পদিনে ফলন দেয় এমন ফসল চাষ করা যেতে পারে। তবে অনেক ক্ষেত্রে রেমির সঙ্গে আনারস, পেঁপে, সুপারি ইত্যাদিও চাষ করা যায়।
- রেমি ফসলের সঠিক বৃদ্ধির জন্য ও মাটির স্বাস্থ্য বজায় রাখার জন্য অজৈব সারের সঙ্গে জৈব সার (খামার সার বা রেমি কম্পোস্ট) প্রয়োগ করার সুপারিশ করা হয়। লাগানোর ৪০-৫০ দিন পর নাইট্রোজেনঃ ফসফেটঃ পটাশ ২০ঃ১০ঃ১০ কিলো/ প্রতি হেক্টরে প্রয়োগ করার সুপারিশ করা হয়। এর পর, প্রত্যেক বার রেমি কাটার পর, হেক্টর প্রতি ৩০ঃ১৫ঃ১৫ কিলো, এনঃপিঃকে সার দিতে হবে। রেমি লাগানোর ১৫-২০ দিন আগে হেক্টর প্রতি ১০-১২ টন হারে খামার সার প্রয়োগ করতে পারলে ভালো হয়।
- রেমি জল জমা সহ্য করতে পারে না। তাই জমি তৈরীর সময় জল নিকাশী নালা তৈরী করে রাখতে হবে এবং বেশি বৃষ্টির সময় অতিরিক্ত জল বের করে দিতে হবে।



রেমি প্ল্যান্টেশন



রেমি ফসল কাটা



রেমির আঁশ ছাড়ানো



রেমি কাটার পর জঙ্গল জিম চালিয়ে  
আগাছা পরিষ্কার



বাছাই ক্ষমতাহীন রাসায়নিক  
আগাছানাশক (নন-সিলেক্টিভ  
হার্বিসাইড) প্রয়োগ



ছাড়ানো রেমি তন্তু (আঠা সহ)

(ग) फ्लाक्क  
(तस्तु मसिना)



**भूमिका:** फ्लाक्क वा तस्तु मसिनार (लिनारु उंसिटाटिसिमम एल.) आंश हालका हलदे रंयेर, १० शतांश सेलुलोज समृद्ध, ताप रोधी, अ्यालार्जि ह्य ना, शरीरे स्थिर तडिं उंपादन करे ना ओ ब्याकटिरियार वृद्धिते बाधा देय। एहि तस्तु चाषेर जन्य ५०-१०० डिग्रि फारेनहाईट तापमात्रा, बेशि वृष्टि ओ तुयारपात ना हओया दोयास माटि अषल निर्वाचित करा प्रयोजन। एमन आदर्श आवहाओया ओ माटि - हिमालय समिहित अषलेर जम्मु ओ काश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उतुराखन्ड, उतुर प्रदेशेर उतुराषल, पश्चिमबङ्गेर उतुराषल ओ पूर्व-भारतेर बेश कयेकटि राज्जे पाओया यय। भारतेर एहि सब अषले फ्लाक्क चाषेर आदर्श माटि ओ जलवायु थाका स्वहेओ, फ्लाक्क चाष बेशेय प्रसार लात करेनि। एर प्रधान कारणगुलि हल - निर्दिष्ट अषलेर जन्य उच्च-फलशील जात ओ विज्ञानसम्मत उंपादन प्रयुक्तिर अभाव।

- एहि फसल १२०-१३० दिन वयसे पेके यय एवंग बीज पाकार आगेहि तस्तु फसलेर जन्य काटा ह्य। यखन जमिर दुई-तृतीयांश गाछ हलदेटे ह्य एवंग गाछेर प्राय दुई-तृतीयांश पाता वारे यय तखन एहि फसल काटार उपयुक्त समय।
- हात दिये टेने टेने माटि थेके तुले एहि फसल संग्रह करा ह्य। तोलार परे १५-२० सेमि साईजेर छोट छोट बाण्डिल करा ह्य ओ पचाते देओया ह्य। आगे फसल काटले फलन कम हवे तवे आंशेर मान भालो ह्य; आर काटते देरि हले, फलन बेशि ह्य, किस्तु तस्तु मान खाराप ह्य।
- पुकुरेर जले एहि बाण्डिलगुलि डुविये राखा ह्य याते जल शोषण करते पारे ओ पचन प्रक्रिया हते पारे। बाण्डिलगुलि पाशापाशि रेखे २०-२५ सेमि जलेर गभीरे बांश वा काठ दिये बेंधे डुविये राखा ह्य।
- पचन प्रक्रिया सम्पूर्ण हते तिन दिन वा १२ घन्टा समय लागे। तार पर काष्ठ थेके तस्तु छाड़ानो ह्य।
- पचनेर पर काष्ठेर उपरेर नरम अंश किछुटा केटे फेला ह्य, याते गाछेर बीज अंशटा आलादा ह्ये यय। तार परे फ्लाक्क काष्ठगुलि स्काचिंग मेशिनेर माध्यमे आंश छाड़ानो ह्य। तवे एहि काज हात दियेओ मुणुरेर मतो काठेर अंश दिये पिटिये करा ह्य। एते काष्ठेर शक्त काठल अंश भेडे टुकरो टुकरो ह्ये यय ओ आंश बेरिये आसे।
- क्रिन्जाफेर तैरी फ्लाक्क तस्तु निष्काषण यन्त्र व्यवहार करे आंश पाओया यय। एहि मेशिन स्वदेशी पद्धतिते तैरी एवंग एर मध्ये फ्लाक्केर काष्ठगुलि टुकिये दिले, काष्ठेर काठल अंश भेडे यय ओ आंश बेरिये आसे। तार पर एहि छाड़ानो तस्तु चिरनि दिये आचडिये परिस्कार करा ह्य, याते खुब छोट आंश आलादा ह्ये यय। परे लम्बा तस्तुगुलि एकत्रित करे बाण्डिल बांधा ह्य।



फसल काटार अवस्थय



फ्लाक्क काटा



पचानोर पद्धति



फ्लाक्क तस्तु





## जमिर स्वाभाविक स्थाने पाट पचानोर जल जलेर सफ़य एवंग दीर्घमेयादि परिवेशबाक्ख खामार व्यवस्था

- वृष्टि अनियमित वितरण, पाट पाचानोर जल उपयुक्त सर्वसाधारणेर पुकुरेर अभाव, माथाप्रति कम जलेर योगान, चाषेर खरच ओ कृषि श्रमिकेर मजुरि वृद्धि, पुकुर - नदी - नाला शुकिने याओया इत्यादि विवेचना करे देखा याय, चाषिरा पाट ओ मेस्ता पचानोते असुविधार समुधीन ह्छेहन। कम जले एवंग सर्वसाधारणेर पुकुरेर मयला जले क्रमागत पाट पचानोर फले, पाटेर आँशेर मान खाराप ह्छे एवंग आन्तर्जातिक बाजारे प्रतियोगिताय टिके थाकते पारहे ना।

### बर्षा आसार आगेई पाट पचानोर पुकुर तैरी सम्पूर्ण करते हबे

- पाट काटा ओ पचानोर मरशुमे जलेर अभाव दूर करार जल - बर्षा शुरुआत आगेई जून मासे जमिर कोनार दिके स्वाभाविक निचू जायगाय ई पाट पचानोर पुकुर तैरी करते हबे, येथाने मोट वृष्टि वये याओया ७०-८० शतांश वृष्टि जल (या १२००-२००० मिलिमिटर मतो हय) जमा हबे ओ पाट एवंग पचानोर काजे लागबे। एर फले पाट ओ मेस्ता चाषे चाषिदेर लाभ आरो बाडबे।

### पुकुरेर माप एवंग एक एकर जमिर पाट पचानोर जल पचन पद्धति

- पुकुरेदर आकार हबे ८० फुट लम्बा, ७० फुट चओडा ओ ५ फुट गभीर। एक एकर जमिर पाट वा मेस्ता ई पुकुरे दु'वार जाग देओया बाबे। पुकुरेर पाडू यथेष्ट चओडा (१.५-१.८ मिटर) हबे, याते पेँपे, कला ओ सज्जि लागानो याय। ई खामार प्रणालि/ व्यवस्था पुकुर ओ तार पाडू निने मोट आयतन १८० वर्ग मिटर हबे। चाषिरा यदि ई खामार प्रणालिते आरो बेशि परिमाने जमि व्यवहारे इच्छुक, ताहले पुकुरेर माप ५० फुट-७० फुट-५ फुट हते पारे।
- पुकुरेर भितरेर दिके १५०-३०० माइक्रनेर कृषिते व्यवहार योग्य पलिथिन दिने टेके दिते हबे याते पुकुरेर जल चुईये वा निचे चले गिने नष्ट ना हय।
- एकसङ्गे तिनटि जाक तैरी करते हबे एवंग एक एकाटि जाके तिटि करे सुतर थाकबे। पुकुरेर तलार माटि थेके जाक २०-३० सेन्टिमिटर उपरे थाकबे एवंग जाकेर उपर २०-३० सेन्टिमिटर जल थाकबे।

### जमि तेई तैरी पचन पुकुरेर सुविधा

- प्रचलित पद्धतिते पचानोर स्फेद्रे पाट केटे पचानोर पुकुरे वये निने याओयार खरच एकर प्रति ८०००-५००० टाका ई पद्धतिते साश्रय हबे।
- प्रचलित पद्धतिते १८-२१ दिने पाट पचे; किन्तु ई नतून पद्धतिते एकरे १८ केजि क्राईजफ सोना व्यवहार करे १२-१५ दिने पाट पचे बाबे। द्वितीय वार पचानोर समय क्राईजफ सोना अर्धेक लागबे एवंग एते ८०० टाका खरच बाँचबे।
- पाट पचानोर जल वृष्टि नतून धरा जल व्यवहार करले वा ई समय वृष्टि हले - धीरे वये चला जल पाओया बाबे एवंग आँशेर गुनमान कमपक्षे १-२ ग्रेड उन्नत हबे।

### तैरी करा पुकुरे पाट ओ मेस्ता पचानो छाडाओ वृष्टि धरा जल आरो विभिन्न उपाये व्यवहार करा बाबे -

- १। विभिन्न उच्चतार वागिचा फसल व्यवहार माध्यमे पेँपे, कला, अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति ट्याक्से प्राय १०,०००-१२,००० टाका लाभ हबे।
- २। वायुते श्वास निते पारे एमन माछ येमन - तिलापिया, मागुर, शिषि माछ चाष करे ५०-६० केजि माछ पाओया येते पारे।
- ३। ई व्यवस्था मोमाछि पालन करा बाबे (प्रति ट्याक्से लाभ ९,००० टाका) एवंग एते बीज उपादने परागमिलने सुविधा हबे।
- ४। माशरुम चाष, भार्मिकम्पोस्ट तैरी करे आय हते पारे।
- ५। ई पुकुरे प्राय ५० टि हाँस पालन करे ५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
- ६। पाट पचानो जल, पाटेर सङ्गे फसलचक्रे लागानो सज्जि ओ अन्यान्य फसलेर सेचेर जल व्यवहार करा बाबे एवंग प्रति एकरे ८,००० टाका अतिरिक्त लाभ हते पारे।

सुतरां जमि ते ई पद्धतिते पुकुर वानिये, मात्र १,०००-१,२०० टाकार पाटेर क्षति करे, चाषिरा अनेक धरनेर फसल फलिये, प्राणी-मत्स-मोमाछि पालन करे प्राय ७०,००० टाका आय करते पारेन। छाडाओ ई पद्धतिते चाषेर फले बहनेर खरच प्राय ८,०००-५,००० टाका बाँचबे। सेई सङ्गे ई प्रयुक्ति, चाषबासे चरम आवहाओयार - येमन खरा, बन्या, घुर्षिबाडू इत्यादिर क्षतिकर प्रभाव कम करते सम्भव।

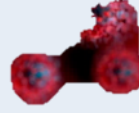
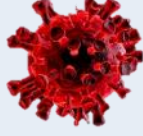
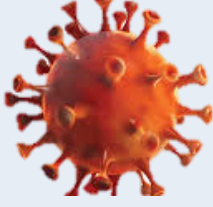


पाट ओ मेस्ता चाषे जमरर स्वाभावरक स्थाने जलाधार भरतक पररवेशवाक्कव स्वनरर्भर खामार वुवस्वा

- ❖ पाट/ मेस्ता पचाने
- ❖ माछ चाष
- ❖ पाडे सज्जि चाष
- ❖ पुकुरेर धारे भार्मरकम्पोस्त तैरी

- ❖ हँस पालन
- ❖ मौरमाछर पालन
- ❖ फल वारगरिचा (पेँपे ओ कला)

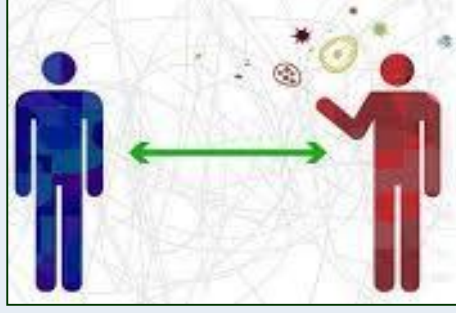
#### IV. कोरोना (COVID-19) भाईरसैर संकुरमण छुडैये पडा ठैकाते ये ये निरापत्रामूलक ओ प्रतिरुध व्यवस्था ग्रहन करते हबे एवं मेने चलते हबे



- 1। कुषकदेर चाषबासेर काजेर समय निरापत्रा व्यवस्था हिसाबे एक जनेर थेके आरेक जनेर सामाजिक दुरतव्व बजाय राखते हबे। चाषिरी जमी चाष, बीज बपन, आगाछा नियंत्रण, जलसेच देओया इत्यादि काजेर समय डाङ्गारि परामर्श मतो मुखुस (मास्क) परबेन, आर माबे माबे सावान-जल दिये हात धोबेन।
- 2। यखन एकई कुषि यन्त्रपाति येमन - लाङ्गल, ट्राङ्कटर, पाओयार टिलार, बीज बपन यन्त्र, निडानि यन्त्र, जलसेचेर पाम्प अनेके मिले पर पर भागाभागि करे व्यवहार करबेन, तखन खेयाल राखते हबे अई यन्त्रपातिगुलि येन सठिकभाबे परिष्कार करा हय। कुषि यन्त्रपातिर ये ये अंश बार बार हात दिये स्पर्श करते हय, सेई अंशटा सावान जल दिये धुये निते हबे।
- 3। चाषेर काजेर फाँके अवसरेर समय, खाबार खाओयार समय, बीज शोषनेर समय एवं सार नामानो वा तोलार समय - पर्याप्त सामाजिक दुरतव्व (कम पक्षे 3-8 फुट) बजाय राखते हबे।
- 4। यातोटा संभव, कुषि काजे परिचित लोकेदेरई काजे लागान। ভালोभाबे खौज खबर नियेई सेई मजुर काजे लागते हबे, याते कोनो कोरोना भाईरस बाहक कुषिकाजे आपनार अण्गले चले आसते ना पावे।
- 5। बीज ओ सार परिचित दोकान थेके किनबेन एवं दोकान थेके फिरे आसार परेई सावान जल दिये ভালोभाबे हात धुये नेबेन। बाजारे बीज, सार इत्यादि किनते याबार समय अवश्यई मुखुस (मास्क) परबेन।
- 6। कोभिड-19 भाईरस रोग संक्रांत जरुपरि स्वास्थ परिसेवा विषये तथ्य जानार जन्य आपनार स्मार्ट मोबाईले 'आरोग्य सेतु' नामेर एप्लिकेशन सफ्टओयार व्यवहार करुन।



## V. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल (जूट मिल) चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिये छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शिफ्ट करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरी मावे मावे हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरी धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिसकार करते हवे, याते कर्मचारिरी रोगेर आक्रमणे ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाउस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर जायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये पारामर्श मतो सामाजिक दूरत बजाय थाके।
- ये सम कर्मचारिदर यन्त्रपातिर (मेशिनर) अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाईज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडां मेशिनर ओई जायगां गुलो वार वार सावान जल दिये परिसकार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फाँका वा भिड कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरी टिफिनर समय वा अवसरेर समय भिड करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फुट दूरत बजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिरी ई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तवे तिनी अबिलखे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सडे योगायोग करबेन।



## आपनादर सबाईके सुस्थ्य ओ निरापद थाकार जन्य शुभेच्छा जानाई

धारणा ओ प्रकाशनाः

डः गौराङ्ग कर,

निर्देशक,

भा.कृ.अ.प. - क्रिज्याफ,

नीलगण्ज, ब्यारकपुर,

कोलकाता-९००१२१, पश्चिमबङ्ग

**Acknowledgement:** The Institute acknowledges the contribution of Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads/ Incharges of Crop Production, Crop Improvement and Crop Protection division, In-charges of AINPNF and Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their division/section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge AKMU of ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory.

[Issue No: 06/2022 (25 March -8 April, 2022)]